मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MTT–043

सिंधी-हिंदी-सिंधी अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. एस. एच. एस. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.टी.टी.-043 : अनुवाद सिद्धात और सिंधी-हिंदी-सिंधी अनुवाद परंपरा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. 'अनुवाद' से आप क्या समझते हैं ? संस्कृत साहित्य में प्रयुक्त 'अनुवाद', 'भाष्य' और 'टीका' शब्दों के प्रयोग पर विचार कीजिए। 20

2. अनुवाद की चुनौतियों के विविध स्तरों का वर्णन कीजिए। 20

3. "पुनर्लेखन के रूप में अनुवाद, मूल पाठ से छेड़छाड़ का उपकरण है।" इस कथन की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए। 20

4. "आधुनिक भारतीय अनुवाद चिंतन" विषय पर निबंध लिखिए। 20

5. उन्नीसवीं सदी के पाश्चात्य अनुवाद सम्बन्धी सिद्धांतों का वर्णन कीजिए। 20

6. उत्तर-आधुनिकतावाद की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए। 20

7. 'हिंदुस्तानी पाठ के फारसी अनुवाद की परंपरा' विषय पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए। 20

8. 'ब्रिटिश शासनकालीन सिंधी साहित्य अनुवाद परंपरा' विषय पर निबंध लिखिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times10=20$

   (क) साहित्यिक पाठ के स्तर पर अनुवाद की सीमाएँ और अननुवाद्यता

   (ख) अनुवाद और नवलेखन

   (ग) हरीश त्रिवेदी का अनुवाद सिद्धांत

   (घ) हिंदी से सिंधी में अनूदित प्रमुख काव्य-कृतियाँ

× × × × ×